ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 31 संख्या 1 मुंबई जनवरी-मार्च 2014

अनुसंधान क्षेत्र से

लक्षद्वीप समुद्र में शार्प टेइल सन फिश *मस्तूरस लेन्सियोलेटस* (लीनार्ड, 1840) का नया रिकार्ड

मोलिडे परिवार के एक शार्प टेइल सन फिश *मस्तूरस लेन्सियोलेटस* (लीनार्ड, 1840) लक्षद्वीप समुद्र में बाइरागमोर रीफ के समीप जल से पकडी गई । भारतीय समुद्र में इस प्रजाति की प्राप्ति असामान्य है और इसकी टैक्सोणमी अब तक विवाद में है । भा. मा.स. के मार्मुगोवा बेस से जुडे सर्वेक्षण जलयान एम एफ वी येल्लोफिन (मल्टिफिलमेंट टूना लॉग लाइनर) द्वारा लक्षद्वीप समुद्र में अनन्य आर्थिक क्षेत्र के भीतर अक्षांश 12° 05.04´ उ देशांतर 72° 12.32´ पू के क्षेत्र में 100 मी गहराई में महासागरीय टूना एवं संबंधित मछलियों के लिए समन्वेषी सर्वेक्षण के दौरान एक उप-तल लॉग लाइन हूक में स्पीशीज़ को हूक की गई । यह लक्षद्वीप समुद्र से प्रथम मेस्तूरस प्रजाति होने की सूचना है । नमूने की कुल लंबाई 14.7 से. मी. के साथ वजन 100 कि ग्रा रहा । 20° सी से अधिक तापमान को पसंद करते हुए *मस्तूरस* प्रजाति बडी पेलाजिक मछलियॉ हैं । विश्व के भारी समुद्री टेलियोस्ट के स्थान निश्चित करते हुए, उन्हें विशाल आकार के साथ अच्छे विकसित विचित्र गोल शरीर है । जहाँ भी समुद्री चट्टान प्रचुर मात्रा में है *मस्तूरस* प्रजाति समुद्री पर्यावरण पसंद करती है क्यों कि समुद्री चट्टान बाहय परजीवी को साफ करने में मदद करता है । पहले लेखकों द्वारा रिपोर्ट भारतीय जल से *मस्तूरस* प्रजाति की प्राप्ति वास्तविक भौगोलिक स्थानों पर बिना कोई रिकार्ड के साथ विभिन्न मछली लैडिंग केन्द्रों से एकत्र नमूनों पर आधारित थे । भारत में, अधिकतम प्राप्ति मन्नार की खाडी के जीवमंडल रिजर्व से रिकार्ड की है । हालांकि लक्षद्वीप समुद्र सुंदर घने प्रवाल भित्तियों के लिए जाना जाता है, यह लक्षद्वीप समुद्र से *मस्तूरस* के पहले रिकार्ड है। समुद्री जैवविविधता रिकोर्ड में प्रकाशन हेतु एक विस्तृत पांडुलिपि भेजी गई थी और स्वीकार किया गया।

(श्री प्रत्युष दास, व. अनुसंधान छात्र और श्री राजु एस. नागपुरे, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स का मार्मुगॉव बेस)

उत्तर आन्ध्र तट के समीप जेल्लि फिश की समृद्धि

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखपट्टणम बेस से जूडे सर्वेक्षण *जलयान एम एफ वी मत्स्य शिकारी* ने विशाखपट्टणम से कलिंगपटनम (भारत के उत्तर पूर्वी तट) से दूर जेल्लिफिश की समृद्धि रिपोर्ट की है। इस घटना जलयान के मार्च 2014 में समुद्री यात्रा के दौरान दर्ज की गई थी । जलयान अक्षांश 17° उ और 18° उ के क्षेत्र में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण कर रहा था । 17° 53.2´ उ/83° 37.7´ पू के क्षेत्र से 40 मी गहराई में एकल हॉल में कुल 500 कि ग्रा पकड यह मौसम के दौरान उक्त क्षेत्र में उसकी बहुतायत का एक संकेत है । जेल्लि फिश को *क्रेम्बियोनेल्ला स्टुलमन्नी* (चुन, 1896) के रूप में पहचान किया गया । जेल्लि फिश की बहुतायत पूर्व मनसून अवधि (जनवरी-मार्च) के दौरान इस दिशा में कई अध्ययनों से रिपोर्ट की थी । जेल्लि फिश (मेडुसा) कुछ अकशेरूकी के अल्प जीवित प्लवक चरण का प्रतिनिधित्व करता है और वे भी पूर्ण प्लवक के रूप में होते है । वे प्राणि प्लवक की महत्वपूर्ण उपभोक्ता है और इसलिए वे अपने आहार श्रृंखला में मछलियों के लिए एक प्रमुख प्रतियोगी है । जेल्लि मछलियों का प्रकोप के बाद सामान्य रूप से पादप्लवक की समृद्धि होती है और प्राणिप्लवक जनसंख्या बढती है । जेल्लि फिश की समृद्धि तटीय यूट्रोफिकेशन, अति मत्स्यन एवं पारिस्थितिक तंत्र डीग्रडेशन का संकेत है । जेल्लिफिश की समृद्धि के परिणाम स्वरूप फिश जाल बंद हो जाता है और इससे मात्स्यिकी में हस्तक्षेप का कारण बनता है । हॉल के दौरान जेल्लि फिश के साथ पकड़ी गई उपिनोइड्स, नेमिप्टेरिड्स एवं डीकेप्टरिड्स पारिस्थितिक तंत्र से उसके निकट सहयोग का संकेत करता है । हालांकि जेल्लि फिश की समृद्धि और भारत के तटीय मात्स्यिकी पर उनके प्रभाव का कारण समझने हेतु गहराई से अध्ययन की जरूरत है ।

(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. विशाखपट्टणम द्वारा सूचित)

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण

ए) विशाखपट्टणम बेस में क्षेत्रीय कार्यशाला

आन्ध्रप्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन शीर्षक पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला 23 जनवरी 2014 को एम पी डी ओ कार्यालय, पुसापतिरेगा में आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. क. फनीप्रकाश, मात्स्यिकी सहायक निदेशक, विजियनगरम द्वारा किया गया । डॉ. एस. के. नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने मूल सूचक भाषण दिया । इसके अतिरिक्त, *उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता* पर एक नुक्कड नाटक दिन के बाद मछुआरा ग्राम, बारीपेटा, विजियनगरम जिला में आयोजित किया गया । व्यावसायिक टेलिविजन कलाकारों द्वारा निष्पादित नुक्कड नाटक मछुआरें लोकों में संदेश सूचित करने में बहुत अधिक प्रभावी रहें । कार्यशाला स्थानीय, मछुआरे लोक, मात्स्यिकी उद्यमियों एवं राज्य मात्स्यिकी अधिकारियों को लाभप्रद रहा ।

बी) समुद्री मात्स्यिकी में आंकडा संग्रहण का सुदृढ़ीकरण एवं फिश टेक्सोणमी पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) द्वारा भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस एवं मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार (अंडमान एवं निकोबार द्वीप) के सहयोग से 30-31 जनवरी 2014 को "समुद्री मात्यिकी में ऑकड़ा संग्रहण का सुदृढ़ीकरण एवं फिश टेक्सोणमी" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला-अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, मात्स्यिकी प्रशिक्षण केन्द्र, मरीन हिल्स, पोर्ट ब्लेयर में मात्स्यिकी निदेशालय के अधिकारियों के हित के लिए आयोजित की गई थी । श्री जे चन्द्र शेखर, मात्स्यिकी निदेशक, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।

श्री एस सी डे, मात्स्यिकी के सहायक निदेशक (विस्तार एवं प्रशिक्षण) अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने विभाग द्वारा अनुपालन किए जा रहे ऑकडा संग्रहण के वर्तमान प्रणाली विज्ञान के संबंध में जानकारी दी । श्री पी चलपति राव, सांख्यिकीविद्, भा.मा.स., मुम्बई (मुख्यालय) ने समुद्री पकड़ निर्धारण सर्वेक्षण हेतु प्रणाली विज्ञान और ऑकड़ा संग्रहण फोरमेट का विवरण दिया । श्री एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. एस. के. द्विवेदी मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मछलियों के विस्तृत वर्गीकरण और उसके पहचान समझाया । समुद्री मछलियों के क्षेत्रीय पहचान पर प्रशिक्षण हेतु प्रतिभागियों ने जंगलीघाट मत्स्य अवतरण केन्द्र का दौरा किया ।

सी) कोच्चिन बेस में क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस ने केरल तट के *"समुद्री मात्स्यिकी संसाधनःसंपोषित शोषण"* पर एक दिवसीय कार्यशाला (6 फरवरी 2014 को फिशिंग हारबर, चेल्लानम, एरणाकुलम में आयोजित की । श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने मुख्य भाषण दिया । उन्होंने कार्यशाला का उद्देश्य एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गतिविधियों की जानकारी दी ।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री के.जे. लीनस, सदस्य, जिला पंचायत द्वारा किया गया । श्री के पी थंकच्चन, अध्यक्ष, चेल्लानम ग्राम पंचायत, चेल्लानम ने समारोह की अध्यक्षता की।

तकनीकी सत्र के दौरान, सुरक्षा और एहतियाती उपायों, समुद्री इंजन का रखरखाव, समुद्र में जीवन की सुरक्षा, पारिस्थितिक अनुकूल मत्स्यन प्रणलियाँ पर कागजात, केरल तट के समीप समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण का परिणाम और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी सी आर एफ) बेस एवं समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए।

डी) पोर्ट ब्लेयर बेस में क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा मात्स्यिकी निदेशालय अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के सहयोग से 5 मार्च 2014 को गुप्तपारा, दक्षिण अंडमान में *"अंडमान एवं निकोबार द्वीपोंके समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों"* पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय मछुआरों में मात्स्यिकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग, पारिस्थितिक अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ, महासागरीय संसाधन, पेर्च संसाधन, समुद्र में सुरक्षा उपायों और सी सी आर एफ पर जानकारी उत्पन्न करना था ।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री मोहम्मद सफ़ीक, प्रमुख पंचायत समिति, फेरागंज, दक्षिण अंडमान द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री निर्पन नाग, जिल्ला परिषद सदस्य गुप्तपारा, दक्षिण अंडमान विशिष्ट अतिथि थे । समारोह की अध्यक्षता श्री एस सी डे, मात्स्यिकी सहायक निदेशक (विस्तार एवं प्रशिक्षण) दक्षिण अंडमान द्वारा किया गया । डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने मुख्य भाषण दिया।

इ) 56 वॉ किसान मेला में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखपट्टणम ने सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार जीता

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस ने 56 वॉ किसान मेला में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार जीता । कार्यक्रम का आयोजन आचार्य एन जी रंगा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनकपल्लि, विशाखपट्टनम में 14-15 मार्च 2014 के दौरान किया गया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का स्टॉल को 20 निजी अभिकरणों एवं 8 सरकारी संगठनों में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार घोषित और सम्मानित किया गया ।

एफ) अक्वा गोवा मेगा मत्स्य उत्सव 2014

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मार्मुगोवा बेस ने मात्स्यिकी निदेशक, गोवा सरकार और एन एफ डी बी, हैदराबाद द्वारा आयोजित एक्वा गोवा मेगा मत्स्य उत्सव 2014 में भाग लिया । मत्स्य उत्सव नवेलिन, गोवा में 31 जनवरी से 2 फरवरी 2014 तक आयोजित किया गया । भा. मा. स.

गोवा बेस ने एक स्टॉल डालकर प्रदर्शनी में भा. मा. स. की गतिविधियों को दर्शाते हुए गियर मॉडल एवं चार्ट प्रदर्शित किया । इसके अतिरिक्त, डॉ. ए. के. भार्गव, क्षेत्रीय निदेशक ने *गोवा के विशेष संदर्भ के साथ समुद्री मात्स्यिकी के अवलोकन* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

III. प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों (रोसा) की वार्षिक समीक्षा बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा बैठक 17-18 फरवरी 2014 के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई । श्री प्रेमचंद, महानिदेशक (प्रभारी), भा. मा. स. और बैठक के अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी अधिकारियोंको विभाग के अधिदेश प्राप्त करने की ओर उनकी सहायता के लिए ईमानदारी से आभार व्यक्त किया। बेस के प्रभारी अधिकारियों ने जलयान के निष्पादन, संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन और बेस द्वारा किए गए अन्य कार्यकलापों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। चर्चा के साथ आगे बढते समय, महानिदेशक ने आश्वासन दिया कि पुराने जलयान के बदले में नए जलयान प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव मंत्रालय को पुनः प्रस्तुत किया जाएगा । प्रत्येक बेस के वैज्ञानिकों द्वारा की गई वैज्ञानिक गतिविधियॉं की समीक्षा की गई और अनुसंधान शोध पत्रों के फोर्म में परिणामों का प्रकाशन हेतु वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया ।

संस्थान के विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की गई और पणधारियों को संसाधनों पर वैज्ञानिक सूचना प्रसारित करने हेतु ऐसी अधिक गतिविधियॉं आयोजित करने का निर्णय लिया गया । बैठक में विविध प्रशासनिक पहलुओं पर तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन से संबंधित लेखा मामलों पर भी चर्चाएं हुई ।

15 वीं परामर्शदात्री समिति बैठक भा. मा. स. मुख्यालय में

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय की परामर्शदात्री की पन्द्रहवीं बैठक 12 मार्च 2014 को भा. मा. स., मुम्बई (मुख्यालय) में संपन्न हुई। श्री प्रेमचंद, महानिदेशक, भा. मा. स. ने बैठक की अध्यक्षता की और इसमें विभाग से 6 सदस्यों एवं 9 पर्यवेक्षकों ने भाग लिया । प्रतिभागियों को स्वागत करते हुए अध्यक्ष ने बैठक का उद्देश्य बताया एवं भा. मा. स. के सर्वेक्षण एवं वैज्ञानिक गतिविधियॉं सुधारने हेतु सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए । उन्होंने संस्थान की गतिविधियों का सार प्रस्तुत किया । वर्ष 2013-14 के दौरान सर्वेक्षण जलयानों के निष्पादन मूल्यांकन हेतु सदस्यों को प्रस्तुत किया । सदस्यों ने पोत के निष्पादन पर संतोष व्यक्त किया । प्रस्तावित मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान कार्यक्रम 2014-15 समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया गया । विस्तृत विचार विमर्श के बाद, समिति ने आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम का अनुमोदन किया । समिति ने वर्तमान परियोजनाओं की प्रगति एवं संस्थान के अभियांत्रिकी विंग की गतिविधियों की भी समीक्षा की ।

कार्यकारी सचिव, हिन्द महासागर टूना आयोग द्वारा भा. मा. स. मुख्यालय का दौरा ।

श्री रोन्डोल्फ पेयट, कार्यकारी सचिव, हिन्द महासागर टूना आयोग, सीशेल्स ने 21 फरवरी 2014 को भा. मा. स., मुम्बई का दौरा किया । भारत में टूना मात्स्यिकी अनुसंधान एवं प्रबंधन को समझना, आई ओ टी सी प्रक्रियाओं में भारत का योगदान, आई ओ टी सी ऑकडा प्रसंस्करण के क्षेत्र में क्षमता निर्माण की जरूरत, अनुपालन एवं अन्य संबंधित अनुसंधान कार्य दौरा के उद्देश्य थे । श्री प्रेमचंद, महानिदेशक ने भारत में टूना मात्स्यिकी और अनुसंधान की स्थिति और आई ओ टी सी अनुपालन की ओर भा. मा. स. का योगदान प्रस्तुत किया । भा. मा. स., मुम्बई (मुख्यालय) के वैज्ञानिकों ने भी चर्चा में भाग लिया । श्री पेयट आई ओ टी सी ऑकडा प्रस्तुतीकरण प्रक्रिया एवं आई ओ टी सी संकल्प के अनुपालन हेतु भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण को तकनीकी समर्थन प्रदान करने के लिए सहमत हुए । भा. मा. स. के वैज्ञानिकों को सैद्धांतिक/व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उपर्युक्त विषय से संबंधित विशेषज्ञ/संकाय,को भारत में प्रतिनियुक्त किया जा सकता है । उन्होंने आगे कहा कि पर्यवेक्षक जलयान कार्यक्रम पर आई ओ टी सी द्वारा सहायता का ब्योरा आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित किया जाएगा । श्री पेयट अपने दौरे के दौरान भा. मा. स. द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया और आई ओ टी सी कार्यक्रम के कार्यान्वयन में भा. मा. स. से हार्दिक सहायता के लिए अनुरोध किया ।

पणधारियों की परामर्शी बैठक

मछली पकडने पर प्रतिबंध लगाने की अवधि की कालावधि की समीक्षा करने और संरक्षण और प्रबंधन पहलुओं के लिए आगे के उपाय सुझाने की समिति की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) ने पणधारियों की परामर्शी बैठक का आयोजन किया । पणधारियों की बैठकें दमन, लक्षद्वीप, पोर्ट ब्लेयर एवं पुदुच्चेरी में क्रमशः 05 फरवरी, 07 फरवरी, 26 फरवरी एवं 27 फरवरी 2014 को आयोजित की गई । कुल मिलाकर 200 से अधिक पणधारियों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया और मछली पकडने पर प्रतिबंध अवधि पर उनकी निजी राय व्यक्त की । परामर्श का सारांश राष्ट्रीय स्तर पर समेकन हेतु तकनीकी समिति को प्रस्तुत किया गया । तकनीकी समिति विविध समुद्रवर्ती राज्यों से परामर्श के आउटपुट पर आधारित सुझावों को अंतिम रूप देगी ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन

उत्कृष्ट हिन्दी गृहपत्रिका के लिए पुरस्कार

वर्ष 2013-14 के दौरान बेस कार्यालयों द्वारा प्रकाशित उत्कृष्ट हिंदी गृह पत्रिका का पुरस्कार भा. मा. स. का कोच्चिन बेस कोच्चिन में 18 फरवरी 2014 को संपन्न वार्षिक रोसा बैठक के दौरान प्रदान किया गया । प्रथम पुरस्कार भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस को उसके प्रकाशन

मत्स्य ध्वनि के लिए और द्वितीय पुरस्कार भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस को उसके प्रकाशन *मत्स्य दर्पण* के लिए प्रदान किया गया ।

हैंड बुक का प्रकाशन

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुम्बई द्वारा फरवरी 2014 में भारतीय समुद्र में पाई जाने वाली मत्स्य प्रजातियों के क्षेत्रीय पहचान के लिए *पुस्तिका* प्रकाशित की गई ।

हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा अधिनियम, संघ की राजभाषा नीति तथा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग हेतु उपलब्ध विविध प्रोत्साहन योजनाओं पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 12 मार्च 2014 को भा. मा. स. (मुख्यालय) मुम्बई में आयोजित की गई । डॉ. सुनीता यादव, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना ने उपर्युक्त विषय पर व्याख्यान दिया।

बेस कार्यालयों में हिन्दी कार्यशाला

- विशाखपट्टणम बेस ने 10 जनवरी 2014 को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) के सहयोग से डी आर एम कार्यालय सम्मेलन कक्ष में एक हिन्दी कवि सम्मेलन आयोजित किया । विविध केन्द्र सरकार विभाग से तथा विशाखपट्टणम नगर (30 सदस्य) से कवियों ने सम्मेलन में भाग लिया ।
- मुम्बई बेस कार्यालय ने 13 जनवरी 2014 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई बेस में एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया । श्री कलीमुल्ला खान, सहायक निदेशक, एम टी एन एल, मुम्बई ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और यूनिकोड पर व्याख्यान दिया ।
- राजभाषा कार्यान्वयन के रूप में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस ने 22 मार्च 2014 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की। श्री पी के मिश्रा, हिन्दी अनुवादक, अंडमान एवं लक्षद्वीप हार्बर वर्कस (ए एल एच डब्ल्यू) इस अवसर विषय विशेषज्ञ पर रहे।
- भा. मा. स. का कोच्चिन बेस में 26 मार्च 2014 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई ।

V. प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठक/सम्मेलन में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

- श्री प्रेमचंद, महानिदेशक एवं बंगाल की खाड़ी बृहद् समुद्री पारिस्थितिक तंत्र (बॉबलम) के राष्ट्रीय समन्वयक ने 25-26 फरवरी 2014 के दौरान फुक्केट, थाइलैंड में संपन्न बॉबलम कार्य योजना विकास बैठक में भाग लिया ।

राष्ट्रीय

- श्रीमती राजश्री के मेन्डन, कार्यालय अधीक्षक, श्रीमती अर्चना एन प्रधान, प्रवर श्रेणी लापिक और श्री राकेश कुमार, अवर श्रेणी लिपिक, मुम्बई मुख्यालय ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई द्वारा 27-29 जनवरी 2014 तक *वेतन निर्धारण, ए सी पी* और *एम ए सी पी* पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- श्री डी. एम. अली, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने *मछली पकडने* का *प्रतिबंध अवधि की कालावधि की समीक्षा और कवरत्ती द्वीप, लक्षद्वीप में संरक्षण एवं प्रबंधन पहलुओं के सुदृढ* करने हेतु आगे उपायों को सुझाने हेतु 7 फरवरी 2014 को हुई तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 12 फरवरी 2014 को सी आई एफ टी, कोच्चि में *भारतीय परिदृश्य में मात्स्यिकी प्रबंधन हेतु टूल के रूप में तकनीकी प्रबंधन उपायों* पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने भा. मा. स., मुम्बई (मुख्यालय) द्वारा 11-12 फरवरी 2014 को जुनपुट, कोटे, पूरब मेदिनिपूर, जिला, पश्चिम बंगाल में *आँकडा संग्रहण सुदृढीकरण* एवं *मत्स्य वर्गीकरण* पर 5-6 मार्च 2014 से वैतन, दक्षिण 24 परगानास, पश्चिम बंगाल में आयोजित कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और भारत के समुद्री मछलियों के वर्गीकरण विज्ञान पर एक व्याख्यान दिया ।
- स्थानीय भाषा मराठी में *मोनोफिलमेंट टूना लॉग लाइनिंग पर विशेष जोर के साथ पारिस्थितिक अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों* विषय पर मुम्बई बेस के डॉ. देवानंद उइके, व. वैज्ञानिक सहायक का साक्षात्कार 19 फरवरी 2014 को आकाशवाणी का अस्मिता वाहिनी (चॅनल) पर प्रसारित किया गया ।
- डॉ. एस. के. द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री स्वप्निल शिवदास शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक ने मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर द्वारा 21 मार्च 2014 को आयोजित मात्स्यिकी सरकारी विकास एवं आंकडा बेस (फिशकोपफेड) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

VI प्रशासनिक समाचार

सेवानिवृत्तियाँ

डॉ. एस. के. नाईक, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स. का विशाखपट्टणम बेस से 31 जनवरी 2014 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।

निधन

श्री ब्रिजेश कुमार, मुख्य अभियंता ग्रेड-II भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस का 2 जनवरी 2014 को निधन हो गया । श्री ब्रिजेश कुमार, एक बड़े उत्साही कुशल अभियंता 4 नवबंर 1978 से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण में कार्यरत थे । महानिदेशक एवं भा. मा. स. के कर्मचारियों ने 3 जनवरी 2014 को उनकी असमय मृत्यु पर भा. मा. स. मुम्बई (मुख्यालय) में हुई शोक सभा में शोक व्यक्त किया ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव
प्रकाशक: श्री प्रेमचंद महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-४०० ००१,
तार: मीना वेबसाईट:htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (०२२) २२७०२२७० दूरभाष: २२६१७१४४/४५ मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाष ०२२-२२१८२९३९/३५४४